

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा 231000 पार

आज ही के दिन 2011 के देश को अधिक राजधानी मुंबई के इंदोरी बाजार ओपेरा हाउस और वंदर में बम विस्फोट हुए थे।

दैनिक भास्कर

देश का विश्वस्तरीय अखबार

क्यूआर कोड स्कैन कर पढ़ें दैनिक भास्कर पर

नं. 108 | पृ. 24, अंक-74 बुधवार 18 जुलाई 2023 | कुल पृ. 16 | मूल्य 2.00



दिनांक

dainikbhaskarup.com

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी: बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम प्रतिदिन तरक्की की ओर अग्रसर हो रही है

भास्कर न्यून व्यूरो
गुरुग्राम। मंगलवार को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुडगांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुर्जात लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुडगांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा। बोधराज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसी विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में 'गुरु' शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मयादां पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें 'गुरु' बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ



में गुरु बनाया और अपने आप को 'बुद्धिहीन' बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार



भी खत्म करवा दिए। अंत में 'गुरु' शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित बुवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्वोहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने को सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बर श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फलावर पार्क सुजाना लोक फेज

1 में प्रातः सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पर कर गई बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आए तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के बुवा ने नहीं देखते कि हम किस मयादित स्थान पर जा रहे हैं। अतः हमें मंदिर जाते समय वहां की मयादां और वहां की परिस्थितियों के अनुसार पोशाक व अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए।

एक व प्रकाशक अशोक निरवाण द्वारा विवेक पब्लिशर्स ए-16 सेक्टर-7 नोएडा 201301 से मुद्रित एवं जे-2 विगनगर सेक्टर, 58 नोएडा (3080) से प्रकाशित, सम्पादक अशोक निरवाण* (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के बचन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उतरदायी)। समस्त विवाद नोएडा 3190, सेक्टर 7 का कार्यक्षेत्र-29, आरडीसी राजनगर निक्ट जिला न्यायालय व जिला जिलाधिकारी कार्यालय गजियाबाद-201002 उत्तर प्रदेश, ई-मेल: nirwanjournalist.nirwan7@gmail.com, bhaskarnoidaadvertisement@gmail.com मो. 9711991712, लिंडाइन +911203166405



दैनिक ट्रिब्यून

श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ

'अपनी सभ्यता, संस्कृति से विमुख न हो युवा पीढ़ी'

गुरुग्राम, 12 जुलाई (हप)

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संस्कारों की शिक्षा देते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों, तीज-त्योहारों, ग्रंथों से जुड़ा रहना चाहिए। विमुख नहीं होना चाहिए। हमारी सनातन संस्कृति सबसे बेहतर है। भक्ति भाव रखकर हमें अपने आपको धर्म-कर्म से जोड़कर रखना चाहिए।

यह बात उन्होंने श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन के दौरान कही।

हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया।



गुरुग्राम में बुधवार को सेक्टर -56 में हनुमान चालीसा पाठ के दौरान भक्तों के बीच झूमते हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी। - हप

यहां के अलावा जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज-1 में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब तक हनुमान चालीस पाठ की कुल संख्या

2 लाख 32 हजार 965 पार कर गई। आयोजन में ओमप्रकाश कथूरिया डा. परमेश्वर अरोड़ा ने भी इसमें शिरकत की। सुरेंद्र कुमार खुल्लर, गजेंद्र गोंसाई ने चालीसा का संगीतमयी पाठ किया।

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना हुई 2 लाख 31 हजार के पार

गुड़गांव, 12 जुलाई (ब्यूरो): श्री नातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

किया गया। इससे पूर्व भी नए गुड़गांव में ही एलएफ फेज 1 और सुशांत लोक इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुड़गांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा।

बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में "गुरु" शब्द आता है। क्योंकि संत

तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें "गुरु" बनाना



हनुमान चालीसा का पाठ करते श्रद्धालु।

पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को "बुद्धिहीन" बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब

क्लेश और विकार भी खत्म कर लिए। सीकरी ने उपस्थित युवाओं को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता

अपने त्योहार व अपने ग्राम से दूर न रहने की सलाह दी। 175 लोगों ने 22 बार हनुमान चालीसा के पाठ पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ओपन कैलाश में 40 लोगों ने 5 बार पाठ किया और फ्लावर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 प्रातः सैर करने वाले ग्रुप में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल

संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232915 पार कर गई।

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 231000 हुई पार

► बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम प्रतिदिन तरक्की की ओर अग्रसर हो रही है

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। कल मंगलवार 12 तारीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुड़गांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुड़गांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा। बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में हृगुरुह शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मयार्दा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें हृगुरुह बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को हृबुद्धिहीनह



बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत में हृगुरुह शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने

की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रातः सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी।

गुड़गांव टुडे

अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों से जुड़ी रही युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

■ हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी।

■ हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 231000 हुई पार।

■ किसी भी कीमत पर अपनी संस्कृति से विमुख नहीं होना चाहिए।

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संस्कारों की शिक्षा देते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों, तीज-त्योहारों, ग्रंथों से जुड़ा रहना चाहिए। विमुख नहीं होना चाहिए। हमारी सनातन संस्कृति सबसे बेहतर है। भक्ति भाव रखकर हमें अपने आपको धर्म-कर्म से जोड़कर रखना चाहिए। यह बात उन्होंने श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि हमें अपने धर्म की रक्षा करनी चाहिए। जब हम धर्म की रक्षा करेंगे, तभी धर्म भी हमारी रक्षा करेगा। इस कहावत को कभी नहीं भूलना चाहिए कि धर्मों रक्षित रक्षितः। कार्यक्रम में बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधुओं से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आए तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा यह नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए।

हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया।



यहां के अलावा जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज-1 में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब तक हनुमान चालीसा पाठ की कुल संख्या 2 लाख 32 हजार 965 पार कर गई। बोधराज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है, जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु

रूपक चौधरी, सरदाना, एम.डी कालरा, सुरेंद्र गुलाटी एडवोकेट, राजीव छाबड़ा, सतीश चावला, रमेश नरूला, अजय भार्गव, और संजय बिष्ट, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, रचना बजाज, पुष्पा नासा, बिमला अरोड़ा, मुंजाल उपस्थित रहे। सुरेंद्र कुमार खुल्लर, गजेंद्र गोंसाई ने चालीसा का संगीतमयी पाठ किया।

शब्द आता है। संत तुलसीदास हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। इस आयोजन में ओमप्रकाश कथूरिया, डा. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, किशोरी डुडेजा, द्वारका नाथ मक्कड़, ओमप्रकाश गाबा, सतपाल नासा, रमेश मुंजाल, के.के अरोड़ा एडवोकेट,

नये भारत का अखबार



गुड़गांव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPP Haryana & Patanjali & Yoga ashrams हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

गुरुग्राम : अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों से जुड़ी रही युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी



मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए।

हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। यहां के अलावा जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज-1 में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब तक हनुमान चालीसा पाठ की कुल संख्या 2 लाख 32 हजार 965 पार कर गई। बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है, जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु शब्द आता है। संत तुलसीदास हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। इस आयोजन में ओमप्रकाश कथूरिया डा. परमेश्वर अरोड़ा ने भी इसमें शिरकत की। सुरेंद्र कुमार खुल्लर, गजेंद्र गोंसाई ने चालीसा का संगीतमयी पाठ किया।

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 12 जुलाई। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संस्कारों की शिक्षा देते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों, तीज-त्योहारों, ग्रंथों से जुड़ा रहना चाहिए। विमुख नहीं होना चाहिए। हमारी सनातन

संस्कृति सबसे बेहतर है। भक्ति भाव रखकर हमें अपने आपको धर्म-कर्म से जोड़कर रखना चाहिए। यह बात उन्होंने श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि हमें अपने धर्म की रक्षा करनी चाहिए। जब हम धर्म की रक्षा करेंगे, तभी धर्म भी हमारी

रक्षा करेगा। इस कहावत को कभी नहीं भूलना चाहिए कि धर्मों रक्षति रक्षितः।

कार्यक्रम में बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधुओं से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आए तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा यह नहीं देखते कि हम किस

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों से जुड़ी रही युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

किसी भी कीमत पर अपनी संस्कृति से विमुख नहीं होना चाहिए

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संस्कारों की शिक्षा देते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों, तीज-त्योहारों, ग्रंथों से जुड़ा रहना चाहिए। विमुख नहीं होना चाहिए। हमारी सनातन संस्कृति सबसे बेहतर है। भक्ति भाव रखकर हमें अपने आपको धर्म-कर्म से जोड़कर रखना चाहिए। यह बात उन्होंने श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि हमें अपने धर्म की रक्षा करनी चाहिए। जब हम धर्म की रक्षा करेंगे, तभी धर्म भी हमारी रक्षा करेगा। इस कहावत को कभी नहीं भूलना चाहिए कि धर्मों रक्षति रक्षितः। कार्यक्रम में बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधुओं से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आए तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा यह नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं।



हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए। हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। यहां के अलावा जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5

बार पाठ किया। फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज-1 में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब तक हनुमान चालीसा पाठ की कुल संख्या 2 लाख 32 हजार 965 पार कर गई। बोधराज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है, जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु शब्द आता

है। संत तुलसीदास हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। इस आयोजन में ओमप्रकाश कथूरिया डा. परमेश्वर अरोड़ा ने भी इसमें शिरकत की। सुरेंद्र कुमार खुल्लर, गजेंद्र गोंसाई ने चालीसा का संगीतमयी पाठ किया।

भारत सारथी

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 2, 31, 000 हुई पार

बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की महिम प्रतिदिन तरक्की की और अग्रसर हो रही है।

हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी : बोधराज सीकरी

भारत सारथी
गुरुग्राम। कल मंगलवार 12 तारीख को श्री सन्तान धर्म मंदिर सेक्टर 56 गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुरुग्राम में होडी एलएफ फेज 1 और सुराति लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुरुग्राम का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा।
बोधराज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विश्वरूप

रूप है जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मण्डोदर पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनना और अपने अंत को बुद्धिहीन बनना। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से कल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब कलेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत में गुरु शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करवा उन्हें अज्ञात था। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे।

बोधराज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसी दास ने क्यों लिखा, क्योंकि राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति है, उनकी खारीक है, उनके गुणों का व्याख्यान है, परन्तु हनुमान चालीसा लिखते समय प्रारंभ में ही राम जी कैसे आ गए।

वरपंड रघुवर विमल जसू, जो दायक फल खाते।
क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान



जो के स्वरभाव को भली-भाँति जानते थे। जहाँ राम जी नहीं होते वहाँ हनुमान जी नहीं होते। अतः हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसी दास जी ने मण्डोदर पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों का लिखा।
प्रभु चरित्र सुनिधे को रसिया।

राम स्वयंभूव सीता मन बरियवा।।
इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने अपने बक्तव्य में बताया कि सुमति कुर्मति यथेके उर पाठे।
ऐसे ही ज्ञान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रूपी अंधा को अंजन वाली सुरमे की जरूरत है। तभी ज्ञान उजागर होता है। और सुरमे को अंजन भी फलते हैं। अंजन कौन देता वह अंजनी पुत्र पवनसुत देते।
बोधराज सीकरी ने अपने बक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने लोहाव व अपने शत्रुओं से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सी लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जापुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और कलावर पार्क सराना लोक फेज 1 में प्रातः सूर कराने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को

सर्वांगीण करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई।
बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी माता शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आए तो अपनी पोसाक व वेतभूषण का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा ये नहीं देखते कि हम किस मार्गदर्शन स्थान पर जा रहे हैं। अतः हमें मंदिर जाते समय वहाँ की मण्डोदर और वहाँ की परिपरिधियों के अनुसार पोसाक व अपनी वेतभूषण ढालनी चाहिए।
इस कार्यक्रम में ना केवल नए गुरुग्राम के लोग जुड़े बल्कि 30 से 35 लोग जो पुराने गुरुग्राम से भी उपस्थित थे। बोधराज सीकरी ने अपने बक्तव्य में उन सभी का आभार प्रकट किया। अने काले मंगलवार 18 जुलाई को न्यू अवर्लॉ एमलीला क्लब अर्जुन नगर गुरुग्राम, जिसके प्रधान श्री गंगाधर खत्री और महा मंत्री श्री पल्लवान घोषर हैं, उनकी ओर से आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में श्री ओम प्रकाश कपूरिण बेधरनेन ओम स्वीट्स और जनेमाने आर्क्यूटेडचार्ज समाज सेवी डॉक्टर परमेश्वर अरोरा की गरिमायुगी उपस्थिति रहेगी।
कल मंगलवार के आयोजन में

मंदिर के प्रधान आर.एस खत्री, सुरेज कपूरिया उप प्रधान, डॉ एम.के त्रिपाठी महामंत्री यजमान बने और पूजा अर्चना कर पाठ का शुभारंभ किया।
श्री एस. के सूतार प्रधान श्री केंद्रीय सन्तान धर्म सभा, गुरुग्राम, श्री गजेंद्र गोखर्डी जिन्होंने व्याख गरी से हनुमान चालीसा का संगीतमय तरीके से सुमधुर पाठ किया, श्री धर्मेश बजाज, महामंत्री केंद्रीय एवं प्रतिनिधि सभा, श्री रमेश कामरा, श्री किशोरी बुडेजा, श्री द्वाराका नाथ मकरुड, श्री ओमप्रकाश गाथा, श्री सहायल नासा, श्री रमेश मुंजाल, श्री के.के अरोरा एडवोकेट, स्पेक चौधरी, श्री सरदाना जी ब्रांड एंजिनेयर सैनियर सिटीजन केसरी क्लब, श्री एम.टी कासार, श्री सुरेंद्र गुलाटी एडवोकेट उपस्थित रहे।
सुराति लोक से सर्वश्री राजीव छाबड़ा, सतीश चवतल, रमेश नरसरा, आश्रय भार्गव, और संजय किश्ट हाथी हुए।
महिला टीम से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती रचना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, श्रीमती विमला अरोरा, और श्रीमती मुंजाल व अन्य उन उपस्थित रहे।

ज्योति दर्पण

Website : www.jyotidarpan.com

हिन्दी दैनिक

हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी : बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संवाददाता
गुरुग्राम। कल मंगलवार 12 तारीख को श्री सन्तान धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुड़गांव में श्री ओएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुड़गांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा।

बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में 'गुरु' शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को बुद्धिमान बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करावा दिए। अंत में गुरु शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे।

बोध राज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसी दास ने क्यों लिखा, क्योंकि राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति है, उनकी तारीफ है, उनके गुणों का व्याख्यान है, परन्तु हनुमान चालीसा लिखते समय प्रारंभ में ही 'राम' जी कैसे आ गए।

बरनऊ रघुवर विमल जसु, जो दायकृ फल चौर।

क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान जी के स्वभाव को भलीभांति जानते थे। जहाँ राम जी नहीं होते वहाँ



हनुमान जी नहीं होते। अतः हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसी दास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों का जिक्र किया।

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।

राम लखन सीता मन बसिया।।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सुशांत कुर्गात सबके उर माँह।

ऐसे ही ज्ञान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रूपी आँध को अंजन यानी सूर्य की जरूरत है। तभी ज्ञान उजागर होता है। और सूर्य को अंजन भी कहते हैं। अंजन कौन देगा वह अंजनी पूत्र पवनसुत देगे।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपनी संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने लोभ व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने

के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलारा में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रातः सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई।

बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मानु शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आए तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा ये नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। अतः हमें मंदिर जाते समय वहाँ की मर्यादा और वहाँ की परिस्थितियों के अनुसार पोशाक व

अपनी वेशभूषा ढालनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में ना केवल नए गुड़गांव के लोग जुड़े बल्कि 30 से 35 लोग तो पुराने गुड़गांव से भी उपस्थित थे। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उन सभी का आभार प्रकट किया। अने वाले मंगलवार 18 जुलाई को न्यू आदर्श रामलीला क्लब अर्जुन नगर गुरुग्राम, जिसके प्रधान श्री गंगाधर खत्री और महा मंत्री श्री यशपाल प्रोवर हैं, उनकी ओर से आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में श्री ओम प्रकाश कथुरिया चेयरमैन ओम स्वीट्स और

जानेमाने आयुर्वेदचार्य समाज सेवी डॉक्टर परमेश्वर अरोरा को गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

कल मंगलवार के आयोजन में मंदिर के प्रधान आर.एस खत्री, सुरेश कपासिया उप प्रधान, डॉ एस.के त्रिपाठी महामंत्री यजमान बने और पूजा अर्चना कर पाठ का शुभारंभ किया।

श्री एस. के खुल्सर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा, गुरुग्राम, श्री गजेंद्र गोसाई जिन्होंने व्यस गद्दी से हनुमान चालीसा का संगीतमय तरीके से सम्भर पाठ किया, श्री

धर्मेन्द्र बजाज, महामंत्री केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री रमेश कामरा, श्री किशोरी बुडेजा, श्री द्वारका नाथ मक्कड़, श्री ओमप्रकाश गावा, श्री सतपाल नास, श्री रमेश मुंजाल, श्री के.के अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, श्री सरदाना जी बांड एंसेसडर सीनियर सिटीजन केसरी क्लब, श्री एम.डी कालरा, श्री सुरेंद्र गुलटो एडवोकेट उपस्थित रहे।

सुशांत लोक से सर्वश्री राजीव छबड़ा, सतीश चावला, रमेश नरुला, अजय भांगव, और संजय बिन्ट हाज़िर हुए।

रण टाइम्स

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 231000 हुई पार

■ बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम प्रतिदिन तरक्की की ओर अग्रसर हो रही है।

■ हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी: बोधराज सीकरी

अमन गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स)। कल मंगलवार 12 तारीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुडगांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुडगांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा। बोधराज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा क्लिष्ट ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को बुद्धिहीन बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी



से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत में गुरु शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे।

बोधराज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसीदास ने क्यों लिखा, क्योंकि राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति है, उनकी तारीफ है, उनके गुणों का व्याख्यान है, परन्तु हनुमान चालीसा

लिखते समय प्रारंभ में ही राम जी कैसे आ गए। बरनऊं रघुवर विमल जसु, जो दायकु फल चारि। क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान जी के स्वभाव को भलीभाँति जानते थे। जहाँ राम जी नहीं होते वहाँ हनुमान जी नहीं होते। अतः हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसीदास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों का जिक्र किया।

प्रभु चरित्र सुनिवे को रसिया।

राम लखन सीता मन बसिया।।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सुमति

कुमति सबके उर माहि।

ऐसे ही ज्ञान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रूपी आंध्र को अंजन यानी सुरमें की जरूरत है। तभी ज्ञान उजागर होता है। और सुरमें को अंजन भी कहते हैं। अंजन कौन देगा वह अंजनी पुत्र पवनसुत देगा।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रंथों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रातः सैर करने वाले रूप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई।

बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आएँ तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा ये नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। अतः हमें मंदिर जाते समय वहाँ की मर्यादा और वहाँ की परिस्थितियों के अनुसार

पोशाक व अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में ना केवल नए गुडगांव के लोग जुड़े बल्कि 30 से 35 लोग तो पुराने गुडगांव से भी उपस्थित थे। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उन सभी का आभार प्रकट किया। आने वाले मंगलवार 18 जुलाई को न्यू आदर्श रामलीला क्लब अर्जुन नगर गुरुग्राम, जिसके प्रधान श्री गंगाधर खत्री और महा मंत्री श्री यशपाल ग्रोवर हैं, उनकी ओर से आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में श्री ओम प्रकाश कथूरिया चेयरमैन ओम स्वीट्स और जानमाने आयुर्वेदाचार्य समाज सेवी डॉक्टर परमेश्वर अरोरा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कल मंगलवार के आयोजन में मंदिर के प्रधान आर.एस. खत्री, सुरेश कपासिया उप प्रधान, डॉ. एस.के. त्रिपाठी महामंत्री यजमान बने और पूजा अर्चना कर पाठ का शुभारंभ किया। श्री एस.के. खुशक प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा, गुरुग्राम, श्री गजेंद्र गोसाईं जिन्होंने व्यास गद्दी से हनुमान चालीसा का संगीतमय तरीके से सुमधुर पाठ किया, श्री धर्मेन्द्र बजाज, महामंत्री केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री रमेश कामरा, श्री किशोरी डुंडेजा, श्री द्वाका नाथ मक्कड़, श्री ओमप्रकाश गावा, श्री सतपाल नासा, श्री रमेश मुंजाल, श्री के.के. अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, श्री सदाना जी ब्रांड एंबेसडर सीनियर सिटीजन केसरी क्लब, श्री एम.डी. कालरा, श्री सुहृद गुलाटी एडवोकेट उपस्थित रहे।



नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पार्याणियर



पार्याणियर

हरियाणा, बृहस्पतिवार, 13 जुलाई, 2023

अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों से जुड़ी रही युवा पीढ़ी: बोधराज सीकरी

किसी भी कीमत पर
अपनी संस्कृति से
विमुख नहीं होना चाहिए

पार्याणियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा सोएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संस्कारों की शिक्षा देते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों, तीज-त्योहारों, ग्रंथों से जुड़ा रहना चाहिए। विमुख नहीं होना चाहिए। हमारी सनातन संस्कृति सबसे बेहतर है। भक्ति भाव रखकर हमें अपने आपको धर्म-कर्म



गुरुग्राम में आयोजित हनुमान चालीसा कार्यक्रम में भाग लेते बोधराज सीकरी व अन्य श्रद्धालु।

से जोड़कर रखना चाहिए। यह बात उन्होंने श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन के

दौरान कही।

उन्होंने कहा कि हमें अपने धर्म को रक्षा करनी चाहिए। जब हम धर्म को रक्षा

करेंगे, तभी धर्म भी हमारा रक्षा करेगा। इस कहावत को कभी नहीं भूलना चाहिए कि धर्मों रक्षित रहित। कार्यक्रम में बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधुओं से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आए तो अपनी पोशाक व वेशभूषण का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा यह नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। हमें मंदिर जाते समय वहाँ की मर्यादा और वहाँ की परिस्थितियों के अनुसार अपनी वेशभूषण छालनी चाहिए।

हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। वहाँ के अलावा जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में

40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। फ्लावर पार्क सुखान लोका फेज-1 में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब तक हनुमान चालीसा पाठ की कुल संख्या 2 लाख 32 हजार 965 बार कर गई। बोधराज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा चित्तशुद्धि ग्रंथ है, जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु श्रद्धा आता है। संत तुलसीदास हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। इस आयोजन में ओमप्रकाश कथूरिया डा. परमेश्वर अरोड़ा ने भी इसमें शिरकत की। सुरेंद्र कुमार खुल्तर, गजेंद्र गौसाई ने चालीसा का संगीतमयी पाठ किया।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलंदशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 231000 हुई पार

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। कल मंगलवार 12 तारीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुड़गांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुड़गांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा।

बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में 'गुरु' शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान



जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें 'गुरु' बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को 'बुद्धिहीन' बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत में 'गुरु' शब्द क्यों आया क्योंकि

उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे।

बोध राज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसी दास ने क्यों लिखा, क्योंकि राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति

है, उनकी तारीफ है, उनके गुणों का व्याख्यान है, परन्तु हनुमान चालीसा लिखते समय प्रारंभ में ही राम जी कैसे आ गए।

बरनऊं रघुवर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि।

क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान जी के स्वभाव को भलीभाँति जानते थे। जहाँ राम जी नहीं होते वहाँ हनुमान जी नहीं होते। अतः हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसी दास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों का जिक्र किया।

प्रभु चरित्र सुनिवे को रसिया। राम लखन सीता मन बसिया।।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने

अपने वक्तव्य में बताया कि सुमति कुमति सबके उर माहि।

ऐसे ही ज्ञान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रूपी आंख को अंजन यानी सुरमें की जरूरत है। तभी ज्ञान उजागर होता है। और सुरमें को अंजन भी कहते हैं। अंजन कौन देगा वह अंजनी पुत्र पवनसुत देगे।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार

श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रातः सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई।

बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आए तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें।

हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी : बोधराज सीकरी



हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 231000 हुई पार.

बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम प्रतिदिन तरक्की की ओर अग्रसर हो रही है।

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम मंगलवार 12 तारीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुडगांव में ही डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुडगांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा। बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में "गुरु" शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें "गुरु" बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को "बुद्धिहीन" बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत में "गुरु" शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे। बोध राज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसी दास ने क्यों लिखा, क्योंकि राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति है, उनकी तारीफ है, उनके गुणों का व्याख्यान है, परन्तु हनुमान चालीसा लिखते समय प्रारंभ में ही "राम" जी कैसे आ गए।

बरनऊं रघुवर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि।"

क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान जी के स्वभाव को भलीभाँति जानते थे। जहाँ राम जी नहीं होते वहाँ हनुमान जी नहीं होते। अतः हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसी दास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों

का जिक्र किया।

**प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया ॥**

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सुमति कुमति सबके उर माहि। ए से ही ज्ञान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रूपी आंख को अंजन यानी सुरमें की जरूरत है। तभी ज्ञान उजागर होता है। और सुरमें को अंजन भी कहते हैं। अंजन कौन देगा वह अंजनी पुत्र पवनसुत देंगे।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सम्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और पलायन पार्क सुशान्त लोक फेज 1 में प्रातः सैर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई। बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आए तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा ये नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। अतः हमें मंदिर जाते समय वहाँ की मर्यादा और वहाँ की परिस्थितियों के अनुसार पोशाक व अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए। इस कार्यक्रम में ना केवल नए गुडगांव के लोग जुड़े बल्कि 30 से 35 लोग तो पुराने गुडगांव से भी उपस्थित थे। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उन सभी का आभार प्रकट किया। आने वाले मंगलवार 18 जुलाई को न्यू आदर्श रामलीला क्लब अर्जुन नगर गुरुग्राम, जिसके प्रधान श्री गंगाधर खत्री और महा मंत्री श्री यशपाल शर्मा हैं, उनकी ओर से आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में श्री ओम प्रकाश कथूरिया चेयरमैन ओम स्वीट्स और जानेमाने आयुर्वेदाचार्य समाज सेवी डॉक्टर परमेश्वर अरोरा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। मंगलवार के आयोजन में मंदिर के प्रधान आर.एस खत्री, सुरेश कपासिया उप प्रधान, डॉ एस.के त्रिपाठी महामंत्री यजमान बने और पूजा अर्चना कर पाठ का शुभारंभ किया।

श्री एस. के खुल्लर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा, गुरुग्राम, श्री गजेंद्र गोसाई जिन्होंने व्यास गद्दी से हनुमान चालीसा का संगीतमय तरीके से सुमधुर पाठ किया, श्री धर्मेंद्र बजाज, महामंत्री केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री रमेश कामरा, श्री किशोरी डुडेजा, श्री द्वारका नाथ मक्कड़, श्री ओमप्रकाश गाबा, श्री सतपाल नासा, श्री रमेश मुंजाल, श्री के.के अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, श्री सरदाना जी ब्रांड एंबेसडर सीनियर सिटीजन केसरी क्लब, श्री एम. डी कालरा, श्री सुरेंद्र गुलाटी एडवोकेट उपस्थित रहे। सुशांत लोक से सर्वश्री राजीव छाबड़ा, सतीश चावला, रमेश नरुला, अजय भार्गव, और संजय बिष्ट हाजिर हुए। महिला टीम से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती रचना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, श्रीमती बिमला अरोड़ा, और श्रीमती मुंजाल व अन्य जन उपस्थित रहे।

ओपन सर्च

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 231000 हुई पार

बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम प्रतिदिन तस्वीकी की ओर अग्रसर हो रही है।

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता
सतवीर भारद्वाज

गुरुग्राम। कल मंगलवार 12 तारीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56, गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुडगाँव में हो डीएलएफ फेज 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुडगाँव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा।

बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में और अंत में "गुरु" शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें "गुरु" बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनना और अपने आप को "बुद्धिहीन" बनाना। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत में "गुरु" शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोध राज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे।

बोध राज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसीदास ने क्यों लिखा, क्योंकि राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति है, उनकी तारीफ है, उनके गुणों का व्याख्यान है, परन्तु हनुमान चालीसा लिखते समय प्रारंभ में ही "राम" जी कैसे आ गए। "बरनऊ रघुवर विमल जसु, जो दायक फल धारि।"

क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान जी के स्वभाव को भलीभाँति जानते थे। जहाँ राम जी नहीं होते वहाँ हनुमान जी नहीं होते। अतः हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसीदास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों का विक्र किया।

प्रभु चरित्र सुनिधि को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया।।
इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सुमति कुमति सबके उर माहि।

ऐसे ही ज्ञान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रूपी आँख को अंजन



यानी सुरमें की जरूरत है। तभी ज्ञान उज्जर होता है। और सुरमें को अंजन भी कहते हैं। अंजन कौन देगा वह अंजनी पुत्र पवनसुत देंगे।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रन्थों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रोगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और फ्लावर पार्क सुशांत लोक फेज 1 में प्रातः सूर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई। बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधु

से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आए तो अपनी पोशाक व वेशभूषण का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा ये नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। अतः हमें मंदिर जाते समय वहाँ की मर्यादा और वहाँ की परिस्थितियों के अनुसार पोशाक व अपनी वेशभूषण ढालनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में न केवल नए गुडगाँव के लोग जुड़े बल्कि 30 से 35 लोग तो पुराने गुडगाँव से भी उपस्थित थे। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उन सभी का आभार प्रकट किया। आने वाले मंगलवार 18 जुलाई को न्यू आदर्श रामलीला क्लब अर्जुन नगर गुरुग्राम, जिसके प्रधान श्री गंगाधर खत्री और महा मंत्री श्री चरणपाल श्रेष्ठ हैं, उनकी ओर से आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में श्री ओम प्रकाश कथुरिया चेयरमैन ओम स्वीट्स और जानेमाने आयुर्वेदाचार्य समाज सेवी डॉक्टर परमेश्वर अरोरा की गरिमाययी उपस्थिति रहेगी।

कल मंगलवार के आयोजन में मंदिर के प्रधान आर.एस खत्री, सुरेश

कपासिया उप प्रधान, डॉ एस.के त्रिपाठी महामंत्री यजमान बने और पूजा अर्चना कर पाठ का शुभारंभ किया। श्री एस. के सुल्लार प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा, गुरुग्राम, श्री गजेंद्र गोसाई जिन्होंने व्यास गद्दी से हनुमान चालीसा का संगीतमय तरीके से सुमधुर पाठ किया, श्री धर्मेन्द्र बजाज, महामंत्री केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री रमेश कामरा, श्री किशोरी डूडेजा, श्री द्वाराका नाथ मस्कड़, श्री ओमप्रकाश गाबा, श्री सतपाल नासा, श्री रमेश मुंजाल, श्री के.के अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, श्री सरदाना जी ब्रॉड एंक्वेसटर सोनियर सिटीजन केसरी क्लब, श्री एम.डी कालरा, श्री सुरेंद्र गुलाटी एडवोकेट उपस्थित रहे। सुशांत लोक से सर्वश्री राजीव झाबड़ा, सतीश चावला, रमेश नरुला, अजय भार्गव, और संजय विपट हाशिर हुए। महिला टीम से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती रचना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, श्रीमती विमला अरोड़ा, और श्रीमती मुंजाल व अन्य जन उपस्थित रहे।

सबसे तेज... सबसे आगे

Postal No : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

हरियाणा की आवाज

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

वर्ष : 15 अंक : 29

मिठानी गुरुवार 13 जुलाई 2023

मूल्य : 3.00 रूपय

8:08 AM
कुल पृष्ठ : 8

अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों से जुड़ी रही युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

किसी भी कीमत पर अपनी संस्कृति से विमुख नहीं होना चाहिए

गुरुग्राम(राकेश)। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संस्कारों की शिक्षा देते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कारों, तीज-त्योहारों, ग्रंथों से जुड़ा रहना चाहिए। विमुख नहीं होना चाहिए। हमारी सनातन संस्कृति सबसे बेहतर है। भक्ति भाव रखकर हमें अपने आपको धर्म-कर्म से जोड़कर रखना चाहिए। यह बात उन्होंने श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-56 में हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि हमें अपने धर्म की रक्षा करनी चाहिए। जब हम धर्म की रक्षा करेंगे, तभी धर्म भी हमारी रक्षा करेगा। इस कहावत को कभी नहीं भूलना चाहिए कि धर्मों रक्षति रक्षित। कार्यक्रम में बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और बंधुओं से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आए तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज



के युवा यह नहीं देखते कि हम किस मर्यादित स्थान पर जा रहे हैं। हमें मंदिर जाते समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार अपनी वेशभूषा डालनी चाहिए। हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। यहां के अलावा जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। फ्लायर पार्क सुशान्त लोक फेज-1 में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब तक हनुमान चालीस

पाठ की कुल संख्या 2 लाख 32 हजार 965 पार कर गई। बोध राज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है, जिसमें प्रारंभ में और अंत में गुरु शब्द आता है। संत तुलसीदास हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। इस आयोजन में ओमप्रकाश कथूरिया डा. परमेश्वर अरोड़ा ने भी इसमें शिरकत की। सुरेंद्र कुमार खुल्लर, गजेन्द्र गोंसाई ने चालीसा का संगीतमय पाठ किया।

बुलंद खोज

समाचार-संवाप समाचार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

जीवन को भवसागर से पार करने की अचूक संजीवनी है हनुमान चालीसा - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा चलाई जा रही हनुमान चालीसा मुहिम के तहत सैक्टर 56 स्थित श्रीसनातन धर्म मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। बोधराज सीकरी ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को हनुमान जी की महिमा से अवगत कराया और कहा कि हनुमान चालीसा जीवन को भगसागर से पार करने की अचूक संजीवनी है।

हनुमान चालीसा ग्रंथ के प्रारंभ व अंत में गुरु शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा। अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को बुद्धिहीन बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत में गुरु शब्द क्यों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के कई स्लोकों का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि वे सनातन धर्म के प्रचार-



कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य।

प्रसार के लिए आगे आए। इस प्रकार के आयोजनों में शामिल होकर समाज की सेवा में सहभागिता निभाएं। सनातन धर्म के सभी ग्रंथ हमें संस्कार, सभ्यता और प्रेमभाव से रहने का संदेश देते हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। आयोजन में यजमान के

रूप में मंदिर समिति के प्रधान आरएस खत्री, उप प्रधान सुरेश कपासिया, महामंत्री डा. एसके त्रिपाठी शामिल हुए। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित जामपुर शिव मंदिर में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और सुशांत लोक फेस वन स्थित फ्लायर पार्क में 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। अब पाठों की

संख्या 2 लाख 32 हजार 965 पार कर गई, जोकि गत मंगलवार को 2 लाख 28 हजार 815 थी। उन्होंने कहा कि आयोजन में 4150 पाठ किए गए। बोधराज सीकरी ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे मंदिर परिसर में प्रवेश करने से पूर्व अपनी वेशभूषा का विशेष ध्यान रखें। क्योंकि मंदिर में हम भगवान

की आराधना करने जाते हैं जो केवल स्वच्छ मन से की जाती है। यदि वस्त्र भी स्वच्छ एवं व्यवस्थित होंगे तो ईश्वर की उपासना बेहतर तरीके से हो सकेगी। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई को अर्जुन नगर स्थित न्यू आदर्श रामलीला क्लब में हनुमान चालीसा का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में समाजसेवी ओमप्रकाश कथूरिया, आयुर्वेदाचार्य डा. परमेश्वर अरोड़ा, क्लब के प्रधान गंगाधर खत्री और महामंत्री यशपाल ग्रोवर शामिल रहेंगे। सैक्टर 15 में भी कार्यक्रम का आयोजन होगा। इस अवसर पर केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, गजेंद्र गोसाईं, आर्य केंद्रीय प्रतिनिधि सभा के महामंत्री धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, किशोरीलाल डूडेजा, द्वारकानाथ मकड़, ओपी गाबा, सतपाल नासा, रमेश मुंजाल, केके अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब गुरुग्राम के ब्रांड एंबेसडर नंदकिशोर सरदाना, एमडी कालरा, सुरेंद्र गुलाटी एडवोकेट, राजीव छाबड़ा, सतीश चावला, रमेश नरुला, अजय भार्गव, संजय बिष्ट, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, रचना बजाज, पुष्पा नासा, बिमला अरोड़ा, श्रीमती मुंजाल आदि उपस्थित रहे।



वेन 5

राष्ट्रीय दैनिक

जगत क्रान्ति

अंतरात्मा अन्तर मनसोरी का, श्री विमलानन्द जी महाराज
असंगु कर्क विराली विचार का सौं, वे सार सगुई विराली विचार का सौं



वेन : 44 वेन : 102
वेन
मुम्बई, 13 मुम्बई, 2023
पृष्ठ 12 | मुम्बई 12

हरियाणा का सर्वमान्य लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

E-paper : <http://jagatkranti.co.in>

E-mail : jagatkrantijind@gmail.com

वेन (हरियाणा) से प्रकाशित

भवसागर से पार उतारने की संजीवनी हनुमान चालीसा : सीकरी

जगत क्रान्ति ► एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा चलाई जा रही हनुमान चालीसा मुहिम के तहत सैक्टर 56 स्थित श्रीसनातन धर्म मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। बोधराज सीकरी ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को हनुमान जी की महिमा से अवगत कराया और कहा कि हनुमान चालीसा जीवन को भगसागर से पार करने की अचूक संजीवनी है। हनुमान चालीसा ग्रंथ के प्रारंभ व अंत में गुरु शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें गुरु बनाना पड़ा।

अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को बुद्धिहीन बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी खत्म करवा दिए। अंत में गुरु शब्द क्यों आया क्योंकि उनके

अपने गुरु नरसिंहदास थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के कई स्लोकों का विस्तृत वर्णन किया।



उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 175 लोगों ने 22 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। इस अवसर पर केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, गजेंद्र गोसाईं, आर्य केंद्रीय प्रतिनिधि सभा के महामंत्री धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, किशोरीलाल डूडेजा, द्वारकानाथ मक्कड़, ओपी गाबा, सतपाल नासा, रमेश मुंजाल, केके अरोड़ा एडवोकेट, रुपक चौधरी, वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब गुरुग्राम के ब्रांड एंबेसडर नंदकिशोर सरदाना, पुष्पा नासा, बिमला अरोड़ा, मुंजाल आदि उपस्थित रहे।

हनुमान चालीसा के पाठ की गणना 2, 31, 000 हुई पार.

बोधराज सीकरी समाजसेवी द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम प्रतिदिन तरक्की की ओर अग्रसर हो रही है।

हनुमान चालीसा जीवन को भव सागर से पार करने की अचूक संजीवनी : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम: कल मंगलवार 12 ताटीख को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56 गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व भी नए गुडगांव में ही ड्रीमलैण्ड फेन 1 और सुशांत लोक में इस प्रकार का आयोजन हो चुका है। 15 दिन बाद सेक्टर 15, गुरुग्राम जो नए गुडगांव का हिस्सा है, में इसका आयोजन किया जाएगा।

बोधराज सीकरी के अनुसार हनुमान चालीसा एक ऐसा विलक्षण ग्रंथ है जिसमें प्रारंभ में जोर अंत में "गुरु" शब्द आता है। क्योंकि संत तुलसीदास को हनुमान जी के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने थे। इसलिए उन्हें "गुरु" बनाना पड़ा अतः हनुमान जी को प्रारंभ में गुरु बनाया और अपने आप को "चुद्धिहीन" बनाया। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हनुमान जी से बल, बुद्धि, विद्या मांगकर अपने सब क्लेश और विकार भी दाल करवा दिए। अंत में "गुरु" शब्द वचों आया क्योंकि उनके अपने गुरु नरसिंहदास जी थे उन्हें भी प्रसन्न करना उन्हें आता था। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार दत्तात्रेय ऋषि के तो 24 गुरु थे।

बोधराज के अनुसार हनुमान चालीसा संत तुलसीदास ने वचों लिखा, वचोंके राम की प्राप्ति उनके माध्यम से होती है। इसलिए हनुमान चालीसा में हनुमान जी की स्तुति है, उनकी तारीफ है, उनके गुणों का ध्यायान है, परन्तु हनुमान चालीसा लिखते समय प्रारंभ में ही "राम" जी केसे आ गए।



"बटनकंड रघुवर विमल जसु, जो दायकु फल धारि"

क्योंकि तुलसीदास जी हनुमान जी के स्वभाव को भलीभांति जानते थे। जहां राम जी नहीं होते वहां हनुमान जी नहीं होते। अतः हनुमान जी के दर्शन करने के लिए संत तुलसीदास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का हनुमान चालीसा की पहली कुछ पंक्तियों का निक किया।

प्रभु धरित्र सुनिधे को रसिया

राम लखन सीता मन बसिया।।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सुमति कुलति सबके उर माहि।

ऐसे ही जान और वैराग्य भी सबके मन में है। अज्ञान रुपी अंध को अंजन वाली सुदमें की जरूरत है। तभी जान उजागर होता है। और सुदमें को अंजन भी कहते हैं। अंजन कौन देगा वह अंजनी पुत्र पवनसुत देंगे।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित युवा पीढ़ी को अपने संस्कार, अपनी सभ्यता, अपने त्योहार व अपने ग्रंथों से दूर न रहने की सलाह दी और मंदिर के पवित्र प्रांगण में लगभग सवा दो सौ लोग उपस्थित थे। लेकिन मंगलवार होने के कारण कई लोग देर से आए। अतः 175 लोगों ने 22 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया। उसके अतिरिक्त जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैम्पस में 40 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और परसवर पार्क सुशांत लोक फेन 1 में प्रातः शेर करने वाले ग्रुप के 20 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। कल के पाठ की कुल संख्या 4150 थी। पिछले मंगलवार तक 228815 पाठ हो चुके थे और कल के पाठ की संख्या को सम्मिलित करने के बाद यह संख्या 232965 पार कर गई।

बोधराज सीकरी ने उपस्थित सभी मातृ शक्ति और वंधु से प्रार्थना की कि जब मंदिर में आए तो अपनी पोशाक व वेशभूषा का विशेष ध्यान दें। कई आज के युवा ये नहीं देखते कि हम किस मर्यादाित स्थान पर ना रहे हैं। अतः हमें मंदिर जाने समय वहां की मर्यादा और वहां की परिस्थितियों के अनुसार पोशाक व अपनी वेशभूषा दालनी चाहिए।

इस कार्यक्रम में ना केवल नए गुडगांव के लोग जुड़े बल्कि 30 से 35 लोग तो पुराने गुडगांव से भी उपस्थित थे। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में उन सभी का आभार प्रकट किया। आने वाले मंगलवार 18 जुलाई को न्यू आदर्श टाउनलीला क्लब अर्जुन नगर गुरुग्राम, जिसके प्रधान श्री गंगाधर शर्मा और महा मंत्री श्री यशपाल गोवंद हैं, उनकी ओर से आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में श्री ओम प्रकाश कचूरिया चेयरमैन ओम स्वीट्स और जामेमाने आयुर्वेदचार्य समाज सेवी डॉक्टर परमेश्वर अट्टोरा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

कल मंगलवार के आयोजन में मंदिर के प्रधान आर.एस. खत्री, सुरेश कपासिया उप प्रधान, डॉ एस.के त्रिपाठी महामंत्री यजमान बने और पूजा अर्चना कर पाठ का शुभारंभ किया।

श्री एस. के सुल्कर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा, गुरुग्राम, श्री गजेंद्र गोसाई जिन्होंने व्यास गद्दी से हनुमान चालीसा का संगीतमय तरीके से सुमधुर पाठ किया, श्री धर्मेश्वर वजाज, महामंत्री केंद्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री रमेश कामरा, श्री किशोरी दुडेजा, श्री द्वारका नाथ मक्कड़, श्री ओमप्रकाश गाबा, श्री सतपाल नासा, श्री रमेश मुंजाल, श्री के.के अटोड़ा एडवोकेट, रूपक चौधरी, श्री सरदाना जी ब्रांड एंबेसडर सीनियर सिटीजन केसरी क्लब, श्री एम.डी कालरा, श्री सुरेंद्र गुलराटी एडवोकेट उपस्थित रहे।

सुशांत लोक से सर्वश्री राजीव छाबड़ा, सतीश चावला, रमेश नरला, अनजय आर्गव, और संजय विष्ट हाज़िर हुए।

महिला टीम से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती रचना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, श्रीमती विमला अटोड़ा, और श्रीमती मुंजाल व अन्य जन उपस्थित रहे।